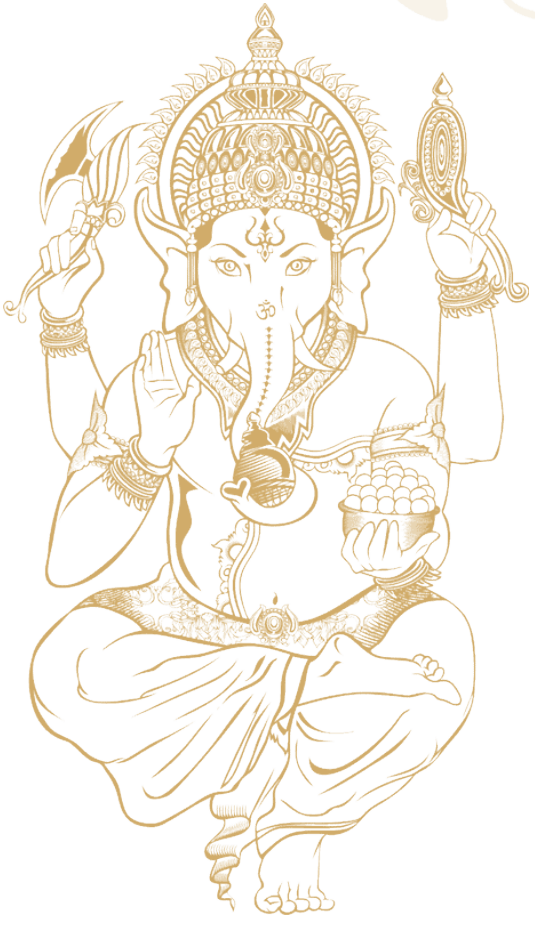

Durgesh Chandak

Arti Shivranji mantri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121783505

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/08/1996	जन्म तिथि	18/02/2001
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 12:25:00	जन्म समय	13:45:00 घंटे
घटी 15:16:10	जन्म समय(घटी)	16:46:48 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Nilanga
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	18:07:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	76:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:23:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:32	सूर्योदय	06:49:03
18:51:16	सूर्यास्त	18:25:01
23:48:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 11मा 11दि	06:57:37	वृश्चि	लग्न	मिथु	03:22:56	केतु 0वर्ष 10मा 4दि
बुध	13:22:02	सिंह	सूर्य	कुंभ	05:52:14	सूर्य
11/08/2013	04:46:24	मीन	चंद्र	धनु	11:43:26	24/12/2021
12/08/2030	29:30:43	मिथु	मंगल	वृश्चि	07:57:26	24/12/2027
बुध 08/01/2016	08:32:57	कन्या	बुध व	मक	24:45:00	सूर्य 12/04/2022
केतु 04/01/2017	14:02:17	धनु व	गुरु	वृष	08:16:45	चन्द्र 12/10/2022
शुक्र 05/11/2019	27:54:28	मिथु	शुक्र	मीन	17:42:00	मंगल 17/02/2023
सूर्य 11/09/2020	12:09:34	मीन व	शनि	वृष	00:44:34	राहु 11/01/2024
चन्द्र 10/02/2022	14:25:17	कन्या व	राहु	मिथु	20:54:09	गुरु 30/10/2024
मंगल 07/02/2023	14:25:17	मीन व	केतु	धनु	20:54:09	शनि 12/10/2025
राहु 27/08/2025	07:28:43	मक व	हर्ष	मक	27:27:35	बुध 18/08/2026
गुरु 02/12/2027	01:31:39	मक व	नेप	मक	13:15:13	केतु 24/12/2026
शनि 12/08/2030	06:37:54	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:11:34	शुक्र 24/12/2027

लग्न-चलित

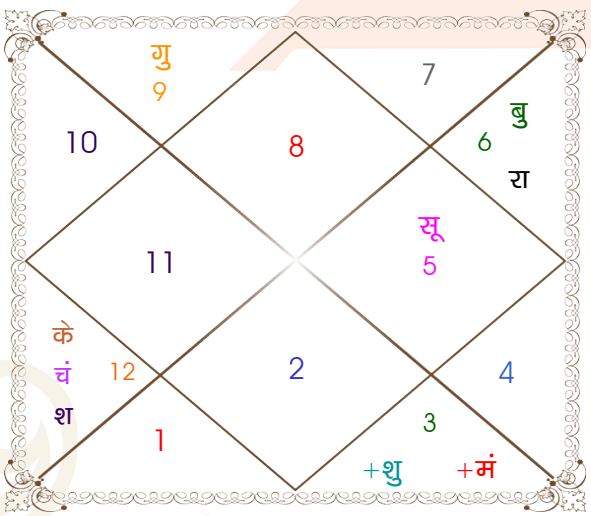

लग्न-चलित

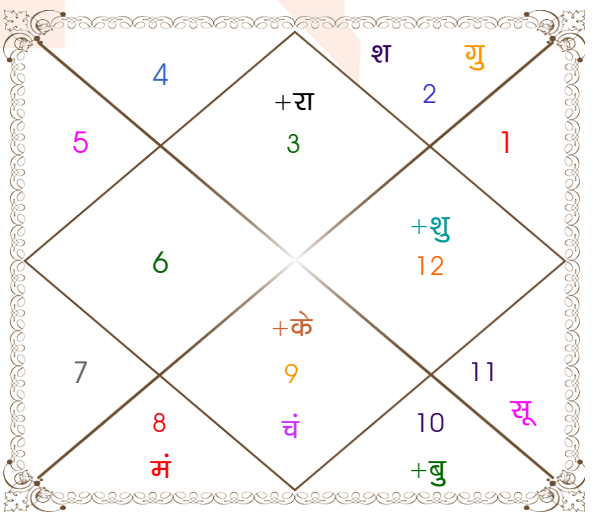

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

क्नतहमेी बैंदकां का वर्ग सर्प है तथा Arti Shivranji mantri का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्नतहमेी बैंदकां और Arti Shivranji mantri का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

क्नतहमेी बैंदकां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Arti Shivranji mantri मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Arti Shivranji mantri कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्नतहमेी बैंदकां तथा Arti Shivranji mantri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।